>

Title: Need to construct roads in Balaghat district, Madhya Pradesh.

श्री के.डी. देशमुख (बालाघाट): महोदय, मैं मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र से आता हूं। मध्य प्रदेश का बालाघाट जिला नक्सल प्रभावित और अति पिछड़ा जिला है। बालाघाट जिले के बालाघाट-वारासनी, रामपायली-खैरलांजी-तुमसर मार्ग में से 33 किलोमीटर गर्रा से नवे गांव तक हालत बहुत ही खराब हो गई है। यह मार्ग मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र को जोड़ता है। इस मार्ग पर आम लोगों का आवागमन बंद हो चुका है। प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों में तीव्र आक्रोश के कारण कानून व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति बन गई है। इस मार्ग को एलडब्ल्युई (वामपंथ उग्रवाद) के अंतर्गत मध्य प्रदेश राज्य शासन द्वारा केंद्र शासन के निर्देश पर सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय को स्वीकृति हेतु भेजा गया है तथा इस मार्ग के साथ बालाघाट जिले के छह पुल एवं 13 मार्ग जिनकी लागत 3.58 करोड़ रुपए के प्रस्ताव भी भेजे गए हैं, जो सड़क परिवहन मंत्रालय में स्वीकृति हेतु एक वर्ष से लम्बित है। मध्य प्रदेश शासन द्वारा बालाघाट जिले के तमाम सड़कों को एलडब्ल्युई के अंतर्गत भेजने जाने के कारण इन मार्गों को राज्य शासन मरम्मत एवं निर्माण कार्य हेतु कोई राशि प्रदान नहीं कर रहा है। इसी प्रकार मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र को जोड़ने वाली अति महत्वपूर्ण सड़क भंडारा-तुमसर-बारासिवनी-बालाघाट-बैहर-मवई-मलाज़खण्ड तक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने का प्रस्ताव विगत दो वर्षों से सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में स्वीकृति हेतु लम्बित है। स्वीकृति की आशा में राज्य शासन द्वारा मरम्मत एवं निर्माण कार्य नहीं किया जा रहा है। अतः इस मार्ग पर लोगों का आवागमन अवरूद्ध हो गया है।

अतएव आपके माध्यम से माननीय सड़क परिवहन राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री जी से आग्रह है कि उपरोक्त मार्गों की स्वीकृति सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर दी जाए।